ISSN 0975-119X

UGC-CARE GROUP I LISTED

वर्ष 12 अंक 1 जनवरी-फरवरी 2020

दृष्टिकोण

कला, मानविकी एवं वाणिज्य की मानक शोध पत्रिका

India's Leading Refereed Hindi Language Journal

ग्राम पंचायतों में जनजाति नेतृत्व की समस्या एवं समाधान–डॉ० डी० एन० सूर्यवंशी; संजय कुमार ध्रुव 702
भारतीय संघात्मक व्यवस्था: एक अध्ययन–दीपक कुमार कोठरीवाल 706
'परसाई साहित्य में स्त्री दशा के संवेदनात्मक पहलू'–अजय कुमार मिश्र 708
विमर्श एवं विद्या केंद्रित आलोचना–श्रीमति मीतू बरसैंया; डॉ० श्रीमती आँचल श्रीवास्तव 710
आर्ष परम्परा में वर्णित ध्यान योग मीमांसा (योग के सन्दर्भित ग्रन्थों के विशेष सन्दर्भ में)–चर्चित कुमार 713
श्रीमद्भगवद्गीता में स्वास्थ्य के सूत्र–पवित्रा देवी; डॉ० सुखबीर सिंह 717
पंतजलि योग सूत्र में पर्यावरणीय चिन्तन–सुशील कुमार 721
शिक्षा: सर्वांगीण विकास का आधार–अजय कुमार पटेल 724
रेने देकार्त और डेविड ह्यूम के संशयवाद का समीक्षात्मक अध्ययन–दिव्या पाण्डेय 728
पर्यावरणीय चिंतन में बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता–मयंक भारती 731
धर्मशास्त्रेषु स्त्रीमर्यादा–डॉ० सुबोध कुमार मिश्र भागवती 734
आदिवासी संस्कृति: साहित्य के आइने में–गौरव सिंह 736
पी०वी० नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत की विदेश नीति का मूल्यांकन–डॉ० अलका चतुर्वेदी 739
माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन–शशि मिश्रा; डॉ० अखिलेश कुमार श्रीवास्तव 741
उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019, समस्या एवं संभावनाएं: एक विश्लेषण–डॉ० नन्दन सिंह; डॉ० मनोज गुप्ता 745
'दोहरा अभिशाप' में दलित स्त्री का संघर्ष–डॉ० चन्द्रशेखर राम; डॉ० राम किशोर यादव 748
भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका: संक्षिप्त विवेचन–डॉ० अरविंद कुमार 752
हल्बा जनजाति के विवाह संस्कार के बदलते स्वरूप का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर कांकेर जिला के विशेष संदर्भ में)–दूजराम टण्डन; डॉ० प्रीति शर्मा 757
समाचार पत्रों के संपादकीय विषय वस्तु का विश्लेपण (हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित दिव्य हिमाचल के विशेष संदर्भ में) –बिमलेश कुमार; डॉ० अर्चना कटोच 761
बाल श्रम के कारण एवं परिणाम: पटना जिला के संदर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन–रंजीता कुमारी 765
ममता कालिया का 'बेघर' व सुषमा बेदी का 'मोरचे' का आलोचनात्मक अध्ययन–संगीता यादव 769
हिन्दी साहित्य में मॉरिशस के साहित्यकारों की प्रासंगिकता–कृपा शंकर; प्रोफेसर विनोद कुमार मिश्र 771
वर्ण-जाति से संबंधित डॉ० अम्बेडकर का विचार–डॉ० पंकज तिवारी 776
साधारणीकरण अवधारणा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल–विशाल मिश्र 779
यशपाल की दृष्टि में किसान और मजदूर–डॉ० अभिषेक मिश्र 781
नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में नारी पात्रों की प्रासंगिकता–अजय कुमार 784
हिन्दी साहित्य में ललित निबंध एवं लोकजीवन की प्रासंगिकता–प्रदीप कुमार तिवारी 788
स्नातक स्तर पर अध्यापकों के दायित्वबोध का अध्ययन–डॉ० समर बहादुर सिंह 792
पंचायती राज व्यवस्था में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका–रोहित सिंह 796
ममता कालिया के उपन्यासों में स्त्री का सामाजिक संघर्ष–दिव्या यादव 799
प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों का मनोसामाजिक विकास: लखनऊ जनपद के परिषदीय विद्यालयों का एक अध्ययन –निहारिका श्रीवास्तव; डॉ० प्रवीण त्रिपाठी 802
निराला के गद्य साहित्य की सामाजिक उपादेयता–डॉ० ऋचा मिश्रा 806
महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में स्वयंसहायता समूहों का योगदान: परभणी जिले के संदर्भ में चिकित्सक अध्ययन –डॉ० लक्ष्मीकांत शिवदास हुरणे 810
आधुनिकता एवं हिन्दी नाटक (मोहन राकेश के विशेष सन्दर्भ में)–उपेन्द्र कुमार विश्वकर्मा 816
यौन शिक्षा की आवश्यकता–डॉ० के०डी० तिवारी 819
वाल्मीकि समाज-दशा और दिशा–डॉ० सुमित्रा मेहरोल 822
शारीरिक शिक्षण में सहायक सामग्री - उपयोग व महत्व–डॉ० सीमा सिंह 825
डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शैक्षिक विचार–बबिता कुमारी 830